

डालता है वि. (फा.) दे. निहाल स्त्री. (देश.) निहारने की क्रिया, ध्यान पूर्वक देखना।

निहारना स.क्रि. (देश.) ध्यानपूर्वक देखना, एकटक देखना, बिना पलक झपके देखते रहना।

निहाल वि. (फा.) 1. प्रफुल्ल, प्रसन्न, संतुष्ट, तृप्त 2. जो धन आदि प्राप्त होने से समृद्ध हो गया हो 3. सफलमनोरथ, पूर्णकाम।

निहित वि. (तत्.) 1. (सुरक्षित) रखा हुआ, स्थापित, यथा-भूमि में निहित धन 2. अंदर छिपा हुआ, अंतर्हित, दबा हुआ, गुप्त, प्रच्छन्न 3. दिया हुआ अथवा सौंपा गया यथा- निहित अधिकार भाषा. विवक्षित, अंतर्निहित उपलक्षित ध्वनित (अर्थ)।

निहित मूल्य पुं. (तत्.) किसी मानव जाति की वे परंपरागत विशेषताएँ जो उस जाति की पहचान बन जाती हैं और जिनकी रक्षा के लिए वह जाति सदैव संघर्षरत रहती है।

निहित स्वार्थ पुं. (तत्.) राज. कार्य विशेष के प्रति अभिरुचि, छिपे हुए निजी लाभ का भाव।

निहितार्थ पुं. (तत्.) भाषा. 1. अभिप्रेत अथवा विवक्षित अर्थ 2. उपलक्षित अर्थ दे. निहित।

निहुरना अ.क्रि. (देश.) झुकना।

निहोर पुं. (देश.) अनुरोध, निवेदन, अभिवेदन, आवेदन।

निहोरना स.क्रि. (देश.) 1. निहोरे करना, अनुरोध करना, निवेदन करना, अनुनय- विनय करना, प्रार्थना करना 2. मनुहार करना, रुठे को मनाना 3. कृतज्ञता ज्ञापित करना।

निहोरा पुं. (देश.) 1. अभ्यर्थना, प्रार्थना, निवेदन 2. अनुकंपा, कृपा 3. अनुरोध, मनुहार, मनावन 4. अवलंब, सहारा 5. उपकार, आभार।

नींद स्त्री. (तद्.) कुछ समय तक रहने वाली प्राणियों की वह प्राकृतिक अवस्था जिसमें नेत्र बंद हो जाते हैं, मांस-पेशियाँ शिथिल पड़ जाती हैं उनकी चेतना क्रियाएँ रुक जाती हैं जिससे शरीर एवं मस्तिष्क को विश्राम मिलता है, सोने

की अवस्था, निद्रा मुहा. नींद उचटना- किसी विघ्न के कारण नींद खुल जाना, सोते-सोते जाग जाना, विचारों के कारण नींद न आना; नींद उड़ना- नींद न आना, बहुत परेशान होना; नींद टूटना- अज्ञान दूर होना, बहुत समय से भूली बात का याद आना; नींद लेना- सो जाना; नींद हराम करना- सोने न देना, चैन से न रहने देना, बहुत परेशान करना; नींद हराम होना- नींद न आना, चिंता, भय आदि के कारण सो न पाना।

नींबू पुं. (तद्.) अम्लीय फलों वाला एक उष्ण कटिबंधीय औसत ऊँचाई वाला तथा कंटीला झाड़ीदार पौधा, उक्त वृक्ष का फल जो 'रसदार', स्वाद में खट्टा, आकार में गोल या लंबा हरा परंतु आगे की ओर छोटी सी नोक के साथ, पीले रंग और संतरे के समान बहुत से बीजों से युक्त होता है टि. आयुर्वेद में इसके औषधीय गुण भी बताए गए हैं।

नींव स्त्री. (तद्.) किसी संरचना अथवा भवन आदि के निर्माण में दीवारों के नीचे का वह भाग जो भूमि के अंदर ठोस आधार के रूप में बनाया जाता है लाक्ष. मूल आधार मुहा. नींव का पत्थर- मूल आधार, ठोस आधार, वह तत्व, बात अथवा व्यक्ति जो किसी महान् उपक्रम के सुदृढ़ आधार के रूप में हो; नींव जमाना-आरंभ करना; जड़ें मजबूत करना- आधार को दृढ़ बनाना; नींव पड़ना- प्रारंभ होना।

नीका वि. (देश.) 1. निर्मल, स्वच्छ 2. उत्कृष्ट, श्रेष्ठ, अच्छा, भला 3. उचित, संगत।

नीकी वि. (देश.) अच्छी, सुंदर, मन को लुभाने वाली उदा. 'ससि ते निसि नीकी लगै..... - जसवंत सिंह।

नीके वि. (देश.) 1. नीका का बहुवचन, अच्छे।

नीकै क्रि.वि. (तत्.) अच्छी तरह, सम्यक् प्रकार से भलीभाँति।

नीग्रो पुं. (अं.) अफ्रीकी मूल की विशिष्ट मानव प्रजाति जो अपने काले रंग, घुँघराले घने बाल, मजबूत शरीर-यष्टि, मोटे होंठ, चौड़ा माथा,